21

कलीसियाः

इसके विज़

हमें चंदा ज़्यों देना चाहिए

1. **सारी आशिषें किसके पास से आती हैं (याकूब 1:17)?**
2. **सब कुछ किसका है (1 इतिहास 29:11, 12)?**
3. **हर एक मसीही ज़्या है? उससे ज़्या मांग की जाती है (1 कुरिन्थियों 4:1, 2; 1 पतरस 4:10)?**
4. **सबके लिए ज़्या आज्ञा है (मज़ी 5:42; लूका 6:30)? सबको काम ज़्यों करना चाहिए (इफिसियों 4:28)?**

कौन दे

1. **पौलुस ने चंदा देने की आज्ञा किसे दी (1 कुरिन्थियों 16:2)?**
   क. ''तुम में से हर एक'' का अर्थ ज़्या है ? ज़्या हर मसीही को चाहे वह पुरुष हो या स्त्री, लड़का हो या लड़की चंदा देना चाहिए ?
   ख. ज़्या माता – पिता को अपने बच्चों की जगह चंदा देना चाहिए ? यदि वे उनकी ओर से चंदा दे सकते हैं, तो ज़्या उनकी ओर से वे बपतिस्मा भी नहीं ले सकते ? ज़्या वे उनकी ओर से प्रभु भोज भी नहीं ले सकते ? ज़्या वे उनकी जगह प्रार्थना करने व गीत गाने में नहीं ले सकते ?

सबको कितना चंदा देना चाहिए

1. **कितना चंदा देने की सीमा ठहराई गई है (1 कुरिन्थियों 16:2)?**
2. **यहूदिया के पवित्र लोगों की सेवा के लिए अंताकिया की कलीसिया ने कितना दिया (प्रेरितों 11:29)?**
3. **परमेश्वर अपने लोगों के उपहारों को कैसे ग्रहण करता है (2 कुरिन्थियों 8:12)?**
4. **चंदा कैसे नहीं दिया जाना चाहिए? कैसे दिया जाना चाहिए (2 कुरिन्थियों 9:7)?**
   क. चंदा देकर कौन भेंट ला रहा था (मरकुस 12:41ख, 44क) ?

ख. उसकी तुलना में, बलिदानपूर्वक चंदा किसने दिया (मरकुस 12:42-44ख) ? ''लापरवाही से'' चंदा देने के सिस्टम पर चर्चा करें।

चंदा कब दिया जाना चाहिए अर्थात इसकी निरन्तरता

1. **पौलुस ने हर एक को कब चंदा देने के लिए कहा (1 कुरिन्थियों 16:2)?**
   क. ज़्या हर मसीही को नियमबद्ध ढंग से चंदा नहीं देना चाहिए? निरन्तर ज़्यों दिया जाना चाहिए (1 कुरिन्थियों 16:2) ?
   ख. ज़्या हर चंदा सोच समझकर, स्वेच्छा से और समझदारी से नहीं दिया जाना चाहिए?
   ग. नियमबद्ध ढंग से चंदा देने से सब प्रकार के घाटे और चिंताएं कैसे दूर हो जाएंगी?
   घ. ज़्या ''लापरवाही से'' चंदा देना पाप नहीं है ?

चंदा किसके लिए दिया जाना चाहिए

1. **उन पवित्र लोगों को कैसे याद रखा जाना चाहिए जो निर्धन हैं (प्रेरितों 2:45; 4:34, 35)?**
2. **फिलिप्पी की कलीसिया ने किसकी सहायता की थी (फिलिप्पियों 1:1; 4:14-16)?**
3. **प्रचारकों की जीविका कैसे चलती है (1 कुरिन्थियों 9:14; 1 तीमुथियुस 5:18)?**
4. **कलीसिया को ज़रूरतमंदों के साथ कैसे सहभागिता रखनी चाहिए (रोमियों 12:13)?**
5. **यीशु ने दूसरों की सहायता करने के दायरे को कैसे बढ़ाया (लूका 6:30; गलतियों 6:10)?**

उदारता से चंदा देने के कारण मिलने वाली आशिषें

1. **लूका 6:38 ज़बानी याद करें।**
2. **स्वर्ग में भंडार कैसे रखे हुए हैं (मत्ती 6:20, 21; 1 तीमुथियुस 6:17-19)?**
3. **सही ढंग से दान देने पर मन शुद्ध कैसे होगा (लूका 11:41)?**
4. **उदारता से दान देने वाले को आशीष कैसे मिलेगी (2 कुरिन्थियों 9:6, 8, 9; गलातियों 6:7, 8)?**
5. **परमेश्वर का सबसे बड़ा दान कौन सा था (2 कुरिन्थियों 8:9)?**
6. **यीशु ने देने वाले के लिए कौन सी आशीष देने की बात कही (प्रेरितों 20:35)?**

विचार करने के लिए

1. **ज़्या कोई संस्था बिना पैसे के काम कर सकती है, यदि हां तो बताएं कि कैसे कर सकती है?**
2. **ज़्या हर मसीही को चंदा ''मन में ठानकर'' देना चाहिए?**
3. **''Pledge System'' (प्लेज प्रणाली) में ज़्या बुराई है? इस पर चर्चा करें (2 कुरिन्थियों 7:5)।**

4. **ज़्या केवल ''प्रबन्ध करने का खर्चा देने वाली'' कलीसिया परमेश्वर को प्रसन्न कर रही है?**
5. **ज़्या ऐल्डरों और डीकनों को पता नहीं होना चाहिए कि हर सदस्य कितना चंदा देने की योजना बनाता है?**
   इससे कलीसिया के काम में कैसे सहायता मिलेगी ?
6. **कंजूस, लोभी मसीही का ज़्या होगा (1 कुरिन्थियों 6:9, 10)?**
7. **आपको कैसे मालूम कि मसीही लोगों पर दशमांश देने का नियम लागू नहीं है (इब्रानियों 7:12)?**
   क. मसीही चंदा देने के नियम पर चर्चा करें (1 कुरिन्थियों 16:2)।
   ख. बहुत से मसीहियों को दशमांश से अधिक ज़्यों देना चाहिए (इब्रानियों 7:11) ?